CBSE Class 10 - Hindi B

Sample Paper 02 (2020-21)

Maximum Marks: 80

Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए

- इस प्रश्नपत्र में 2 खंड हैं खंड अ और खंड ब।
- खंड-अ में कुल 9 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड ब में कुल 8 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

जहाँ भी दो नदियाँ मिल जाती हैं, उस स्थान को अपने देश में तीर्थ कहने का रिवाज़ है। कई पहाड़ों, जंगलों और खेतों पर गिरी बारिश के पानी के संगम से नदियाँ बनती हैं। एक दूसरे से मिलकर ये नदियाँ बड़ी हो जाती हैं। सबसे बड़ी नदी वह होती है जिसका दूसरी नदियों से सबसे ज़्यादा संयोग होता है। अगर सागर से उलटी गंगा बहाएँ तो गंगा का स्रोत गंगोत्री या उद्गम गोमुख भर नहीं होगा। यमुनोत्री और तिब्बत में ब्रह्मपुत्र का स्रोत भी होगा, दिल्ली, बनारस और पटना जैसे शहरों के सीवर से निकलने वाला पानी भी होगा। बनारस या पटना में गंगा विशाल नदी है, लेकिन वहाँ उसका पानी मात्र शिव जी की जटा से निकलकर नहीं आता।

भारतीय परिवेश में असली संगम वे स्थान हैं, वे सभाएँ तथा वे मंच हैं, जिन पर एक से अधिक भाषाएँ एकत्र होती हैं। नदियाँ अपनी धाराओं में अनेक जनपदों का सौरभ, आँसू और उल्लास लिए चलती हैं और उनका पारस्परिक मिलन वास्तव में नाना जनपदों के मिलन का प्रतीक है। यही हाल भाषाओं का भी है। अगर हिंदी और उर्दू, संस्कृत और फारसी को बड़ी भाषाएँ माना जाए, तो यह तय है कि इनका संगम कई दूसरी भाषाओं से हुआ होगा। अगर किसी भाषा का दूसरी भाषाओं से मेल-मिलाप बंद हो जाता है तो उसका बहना रुक जाता है, ठीक उस नदी के जैसे, जिसमें दूसरी नदियों का पानी मिलना बंद हो जाता है।

I. हमारे देश में किसे तीर्थ कहने की परंपरा है?
   i. जहाँ दो नदियाँ मिलती हैं
   ii. जहाँ दो तीर्थ मिलते हैं

iii. जहाँ दो नदियाँ नहीं मिलती हैं

iv. जहाँ दो तीर्थ नहीं मिलते हैं

II. सबसे बड़ी नदी किसे माना जाता है?

i. जो विशाल होती है

ii. जिसका दूसरी नदियों से सबसे ज्यादा संयोग होता है

iii. जो अधिक पूजनीय होती है

iv. जो समुद्र में मिलती है

III. 'बनारस या पटना में गंगा विशाल नदी है लेकिन उसका पानी मात्र शिव की जटा से नहीं आता।' - के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है? स्पष्ट कीजिए।

i. गंगा अनेक नदियों और जल स्त्रोतों का मिलाजुला रूप हैं

ii. गंगा अनेक समुद्रों का मिलाजुला रूप है

iii. गंगा में अनेक नदियाँ आकर मिलती हैं

iv. गंगा एक विशाल नदी है

IV. गद्यांश में असली संगम किसे माना गया है और क्यों?

i. जहाँ अनेक नदियाँ आकर मिलती हैं

ii. जहाँ अनेक झरने मिलते हैं

iii. जहाँ नदियाँ समुद्र में मिलती हैं

iv. जहाँ एक से अधिक भाषाएँ एकत्र होती हैं

V. भाषाओं का विकास कब अवरुद्ध होता है?

i. जब अनेक भाषाओँ का मेल बंद नहीं होता है

ii. जब अनेक भाषाओँ का मेल बंद हो जाता है

iii. जब अनेक नदियों का मेल अवरुद्ध हो जाता है

iv. जब अनेक नदियों का मेल अवरुद्ध नहीं होता है

OR

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

वैसे तो भारतीय साहित्य में ऋग्वेद से ही अनेक सुंदर प्रेमाख्यान उपलब्ध होने लगते हैं, किंतु इसकी अखण्ड परम्परा का सूत्रपात महाभारत से होता है। इसका मूल कारण कदाचित यह है कि महाभारत काल से पूर्व जहाँ भारतीय समाज में अति मर्यादावादी दृष्टिकोण की प्रमुखता दिखाई पड़ती है, वहाँ महाभारतीय समाज में हम स्वच्छन्द प्रणय-भावना का उन्मीलन और विकास देखते हैं। महाभारत में वर्णित विभिन्न प्रसंगों से स्पष्ट है कि उस युग में प्रणय के क्षेत्र में जाति, कुल, वर्ण व लोक-मर्यादा का विचार बहुत कुछ शिथिल हो गया था। सौन्दर्य की प्रेरणा से ही प्रेम और विवाह-सम्बन्ध स्थापित होने लगे थे। प्रेम और विवाह के क्षेत्र में आर्य-अनार्य का भेद भी लुप्त हो गया था। इसीलिए भीम असुर-कन्या हिडिम्बा से, अर्जुन नाग-कन्या चित्रांगदा से, कृष्ण ऋष-कन्या जाम्बवती से विवाह कर लेते हैं। प्रणय-स्वपनों की पूर्ति के लिए सामाजिक मर्यादाओं का उल्लंघन नायिका

का बलात् अपहरण व नायिका के संरक्षकों से युद्ध भी अनुचित नहीं माना जाता था। कृष्ण द्वारा रूक्मिणी का तथा अर्जुन द्वारा सुभद्रा का अपहरण तथा भीम-हिडिम्बा, प्रद्युम्न-प्रभावती, अनिरूद्ध-उषा, प्रसंगों में नायिका के सरंक्षकों से युद्ध इसी को प्रमाणित करता है। ऐसी स्थिति में यदि महाभारत से ही स्वच्छन्द प्रेमाख्यानों या रोमांस-साहित्य का प्रवर्तन माना जाए, तो यह अनुचित न होगा। महाभारत में समाविष्ट प्रासंगिक उपाख्यानों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण नल-दमयन्ती उपाख्यान है जिसमें स्वच्छन्द प्रेम या रोमांस की वे सभी प्रवृत्तियाँ उपलब्ध होती हैं, जो परवर्ती प्रेमाख्यानक उपाख्यानों में भी बराबर प्रचलित रही हैं, यथा-नायक-नायिका वे अप्रत्यक्ष परिचय से ही प्रेम की उत्पत्ति, हंस द्वारा संदेशों का आदान-प्रदान, नायक-नायिका के मिलन में अनेक बाधाओं की उपस्थिति, परिस्थितिवश नायक-नायिका का विच्छेद एवं पुनर्मिलन, अस्तु महाभारत यदि प्रेमाख्यानों की आधारभूमि है, तो नल-दमयन्ती उपाख्यान उसका सर्वाधिक आकर्षक केन्द्र-बिन्दु है।

I. उपर्युक्त अवतरण का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक है-
   i. ऋग्वेद तथा महाभारत
   ii. प्रेमकथाओं की निरर्थकता
   iii. प्रणय और युद्ध
   iv. प्रेमाख्यान परम्परा और सूत्रपात

II. प्रणय और परिणय-समबन्धों के विषय में महाभारत के कई प्रसंग इस ओर संकेत करते हैं कि उस काल में-
   i. युद्ध के बिना कोई प्रेम-विवाह सार्थक नहीं होता था
   ii. प्रेम और विवाह के क्षेत्र में आर्य-अनार्य का भेद लुप्त हो रहा था
   iii. प्रेम में व्याभिचार के लिए स्थान नही था
   iv. प्रणय-स्वप्नों की पूर्ति सम्भव नहीं थी।

III. हमारे साहित्य की प्राचीनतम रोमांटिक रचना उपलब्ध है-
   i. उपनिषदों में
   ii. ऋग्वेद में
   iii. महाभारत में
   iv. प्रेमाख्यानक सूफी काव्य में

IV. महाभारत-काल से पूर्व भारतीय समाज में किस दृष्टिकोण की प्रमुखता दिखाई पड़ती है?
   i. मर्यादित
   ii. सौम्य
   iii. अतिममर्यादित
   iv. सौन्दर्य-प्रधान

V. प्रद्युम्न-प्रभावती प्रसंग और अनिरुद्ध-उषा प्रसंग में समानता है-
   i. उनके ऋग्वेद से सम्बद्ध होने से
   ii. उनके सर्वाधिक निकृष्ट प्रासंगिक उपाख्यान होने से
   iii. उनके सर्वाधिक आकर्षक प्रेमाख्यान होने में
   iv. उनकी नायिकाओं के संरक्षकों से युद्ध होने से

VI. 'अखण्ड' शब्द का समानार्थी शब्द है-

i. गहरा खड्ड

ii. अविभाजित

iii. अविकसित

iv. निर्विकार

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

ताजमहल, महात्मा गांधी और दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र-इन तीन बातों से दुनिया में हमारे देश की ऊँची पहचान है। ताजमहल भारत की अंतरात्मा की, उसकी बहुलता की एक धवल धरोहर है। यह सांकेतिक ताज आज खतरे में है। उसको बचाए रखना बहुत ज़रूरी है।

मजहबी दर्द को गांधी दूर करता गया। दुनिया जानती है, गांधीवादी नहीं जानते हैं। गांधीवादी उस गांधी को चाहते हैं जो कि सुविधाजनक है। राजनीतिज्ञ उस गांधी को चाहते हैं जो कि और भी अधिक सुविधाजनक है। आज इस असुविधाजनक गांधी का पुनः आविष्कार करना चाहिए, जो कि कड़वे सच बताए, खुद को भी औरों को भी।

अंत में तीसरी बात लोकतंत्र की। हमारी जो पीड़ा है, वह शोषण से पैदा हुई है, लेकिन आज विडंबना यह है कि उस शोषण से उत्पन्न पीड़ा का भी शोषण हो रहा है। यह है हमारा ज़माना, लेकिन अगर हम अपने पर विश्वास रखें और अपने पर स्वराज लाएँ तो हमारा ज़माना बदलेगा। खुद पर स्वराज तो हम अपने अनेक प्रयोगों से पा भी सकते हैं, लेकिन उसके लिए अपनी भूलें स्वीकार करना, खुद को सुधारना बहुत आवश्यक होगा

I. ताजमहल को किसकी धरोहर बताया गया है?

i. भारत की अंतरात्मा की

ii. भारत के नागरिकों की

iii. भारत के नेताओं की

iv. भारत के युवाओं की

II. गांधीवादी आज किस तरह के गांधी को चाहते हैं?

i. जो असुविधाजनक हैं

ii. जो सुविधाजनक है

iii. जो सुविधाजनक नहीं है

iv. इनमें से कोई नहीं

III. गद्यांश के अनुसार आज विडंबना क्या है?

i. हमारी पीड़ा का शोषण से उत्पन्न होना

ii. हमारी पीड़ा का उत्पन्न होना

iii. शोषण से उत्पन्न पीड़ा का शोषण होना

iv. स्वयं पर विश्वास न रखना

IV. राजनीतिज्ञ किस गांधी की आकांक्षा रखते हैं?

i. जो सुविधाजनक है

ii. जो असुविधाजनक है
iii. जो सुविधाजनक नहीं है
iv. जो और भी अधिक सुविधाजनक है

V. खुद पर स्वराज पाने के लिए क्या आवश्यक है?
i. अपनी भूलें स्वीकार करना
ii. खुद पर विश्वास रखना
iii. ज़माना बदलना
iv. खुद को सुधारना

OR

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

चंपारण सत्याग्रह के बीच जो लोग गांधी जी के संपर्क में आए वे आगे चलकर देश के निर्माताओं में गिने गए। चंपारण में गांधी जी न सिर्फ सत्य और अहिंसा का सार्वजनिक हितों में प्रयोग कर रहे थे बल्कि हलुवा बनाने से लेकर सिल पर मसाला पीसने और चक्की चलाकर गेहूँ का आटा बनाने की कला भी उन बड़े वकीलों को सिखा रहे थे, जिन्हें गरीबों की अगुवाई की जिम्मेदारी सौंपी जानी थी। अपने इन आध्यात्मिक प्रयोगों के माध्यम से वे देश की गरीब जनता की सेवा करने और उनकी तकदीर बदलने के साथ देश को आजाद कराने के लिए समर्पित व्यक्तियों की एक ऐसी जमात तैयार करना चाह रहे थे जो सत्याग्रह की भट्ठी में उसी तरह तपकर निखरे, जिस तरह भट्ठी में सोना तपकर निखरता और कीमती बनता है।

गांधी जी की मान्यता थी कि एक प्रतिष्ठित वकील और हज़ामत बनाने वाले हज़्ज़ाम में पेशे के लिहाज़ से कोई फ़र्क नहीं, दोनों की हैसियत एक ही हैं। उन्होंने पसीने की कमाई को सबसे अच्छी कमाई माना और शारीरिक श्रम को अहमियत देते हुए उसे उचित प्रतिष्ठा व सम्मान दिया था। कोई काम बड़ा नहीं, कोई काम छोटा नहीं, इस मान्यता को उन्होंने प्राथमिकता दी ताकि साधन शुद्धता की बुनियाद पर एक ठीक समाज खड़ा हो सके। आज़ाद हिंदुस्तान आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और आत्म-सम्मानित देश के रूप में विश्व-बिरादरी के बीच अपनी एक खास पहचान बनाए और फिर उसे बरकरार भी रखे।

I. किसी काम या पेशे के बारे में गांधी जी की मान्यता क्या थी?
i. कोई काम बड़ा नहीं, कोई काम छोटा नहीं
ii. कोई काम बड़ा नहीं
iii. कोई काम छोटा नहीं
iv. हर काम बड़ा छोटा होता है

II. गांधी जी सबसे अच्छी कमाई किसे मानते थे?
i. कमाकर लाने को
ii. काम करने को
iii. मेहनत की कमाई को
iv. प्रतिष्ठित कमाई को

III. गांधी जी ने किसे अहमियत दी है?

i. सत्याग्रह को

ii. शारीरिक श्रम को

iii. सार्वजानिक हितों को

iv. मनुष्य को

IV. गांधी जी किसकी बुनियाद पर एक अच्छा समाज खड़ा करना चाहते थे?

i. साधन शुद्धता की

ii. परिश्रम की

iii. सत्य की

iv. शुद्धता की

V. गांधी जी किसके सार्वजनिक हितों का प्रयोग कर रहे थे?

i. सत्य का

ii. अहिंसा का

iii. सत्य और अहिंसा का

iv. किसी का नहीं

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. 'मेरे पिताजी ने **पीले - पीले पके आम** खरीदे।' रेखांकित पदबंध का भेद क्या है?

a. संज्ञा पदबंध

b. क्रिया पदबंध

c. क्रिया विशेषण पदबंध

d. विशेषण पदबंध

ii. 'मल्लिका **एक मशहूर** डॉक्टर है।' में कौन सा पदबंध है ?

a. विशेषण पदबंध

b. संज्ञा पदबंध

c. क्रिया विशेषण पदबंध

d. क्रिया पदबंध

iii. जब एक से अधिक पद मिलकर किसी सर्वनाम की जानकारी देते हैं तो उसे क्या कहते हैं?

a. संज्ञा पदबंध

b. सर्वनाम पदबंध

c. विशेषण पदबंध

d. क्रिया पदबंध

iv. किस वाक्य का रेखांकित पदबंध संज्ञा पदबंध नहीं है ?

a. **काम करने वाले** हमेशा सफल होते हैं।

b. **मौत से जूझने वाला वह** मर नहीं सकता।

c. **<u>भारत की राजधानी दिल्ली</u>** में गर्मी है।

d. मैंने **<u>लोहे की अलमारी</u>** खरीदी।

v. किस वाक्य का रेखांकित पदबंध विशेषण पदबंध नहीं है?

a. **<u>झूठे और मक्कार</u>** लोगों पर विश्वास मत करो।

b. **<u>खाली सुनसान</u>** सड़क पर बहुत शान्ति थी।

c. मुझे **<u>अँधेरी काली</u>** रात में डर लगता है।

d. **<u>गरीब और ईमानदार लोग</u>** सभी को अच्छे लगते हैं।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. चोर घर में घुसे। पुलिस आ गई। (संयुक्त वाक्य)

a. चोर घर में घुसे और पुलिस आ गई।

b. पुलिस तब आई, जब चोर घर में घुसे।

c. जब चोर घर में घुसे, तब पुलिस आ गई।

d. चोर के घर आने पर पुलिस घर आई।

ii. बीमार लड़का घर चला गया। (संयुक्त वाक्य)

a. जो लड़का बीमार था, वह घर चला गया।

b. क्योंकि लड़का बीमार था इसलिए वह घर चला गया।

c. लड़का बीमार होने के कारण घर चला गया।

d. लड़का बीमार था इसलिए वह घर चला गया।

iii. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य पहचानिए-

a. मुझे एक अंग्रेज़ी का नॉवेल चाहिए।

b. मुझे एक अंग्रेज़ी का एक नॉवेल चाहिए।

c. एक नॉवेल चाहिए मुझे अंग्रेज़ी का।

d. मुझे अंग्रेज़ी का एक नॉवेल चाहिए।

iv. इन वाक्यों में से मिश्रित या मिश्र वाक्य की पहचान कीजिए-

a. परिश्रम करो, सफल हो जाओगे।

b. परिश्रम करने वाले अवश्य सफल होते हैं।

c. सफलता के लिए परिश्रम आवश्यक है।

d. जो परिश्रम करते हैं, वे अवश्य सफल होते हैं।

v. निम्नलिखित वाक्यों में से सरल वाक्य की पहचानिये -

a. बुद्धिमान व्यक्ति का सब आदर करते हैं।

b. सब बुद्धिमान हैं और व्यक्ति का आदर करते हैं।

c. सब करते हैं, आदर बुद्धिमान व्यक्ति का।

d. सब व्यक्ति हैं इसलिए बुद्धिमान का आदर करते हैं।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
   i. इस समास में दोनों पद प्रधान होते हैं और विग्रह के समय समुच्चयबोधक अव्यय- और, तथा, या, अथवा आदि का प्रयोग किया जाता है।
      a. द्वंद्व समास
      b. अव्ययीभाव समास
      c. कर्मधारय समास
      d. बहुब्रीहि समास
   ii. गुरुदक्षिणा
      a. गुरु से दक्षिणा - तत्पुरुष समास
      b. गुरु का दक्षिणा - तत्पुरुष समास
      c. गुरु की दक्षिणा - तत्पुरुष समास
      d. गुरु के लिए दक्षिणा - तत्पुरुष समास
   iii. जिस समास में पूर्व पद संख्यावाची होता है।
      a. द्विगु समास
      b. तत्पुरुष समास
      c. द्वंद्व समास
      d. कर्मधारय समास
   iv. समास का भेद बताइए- **दशानन**
      a. दश आनन - बहुब्रीहि समास
      b. दस आनन का समाहार - बहुब्रीहि समास
      c. दश आनन हैं जिसके अर्थात रावण - बहुब्रीहि समास
      d. दश के समान आनन - बहुब्रीहि समास
   v. 'समस्त पद' के दूसरे पद को कहते हैं-
      a. पूर्व पद
      b. पश्चिमी पद
      c. उत्तर पद
      d. समान पद
6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
   i. पैसे-पैसे को मुहताज होना
      a. बहुत पैसे खर्च करना
      b. पैसे मुँह में रखना
      c. पैसे एकत्र करना
      d. बहुत गरीब और मजबूर होना

ii. बदन में आग लगना

a. बहुत क्रोध आना

b. किसी को आग लगना

c. गुस्से से शरीर में आग लगना

d. आग जलाना

iii. घर जलाना

a. घर में आग लगाना

b. किसी के घर में आग लगा देना

c. अपना सर्वस्व न्योछावर करना

d. खुद अपना घर जला देना

iv. ख़ुशी का ठिकाना न रहना

a. बहुत खुश होना

b. ख़ुशी गायब होना

c. ख़ुशी न होना

d. ख़ुशी का कोई घर न होना

v. अमीर होने के बाद श्याम ने अपने बूढ़े माता-पिता को _____ की तरह बाहर निकल फेंका।

a. ख़राब दूध

b. बेकार दूध

c. दूध की मक्खी

d. दूध के मच्छर

7. **निम्नलिखित पदों के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

सुखिया सब संसार है खाए अरु सोवै।
दुखिया दास कबीर है जागे अरु रोवै।।

निंदक नेड़ा राखिये, आँगणि कुटी बँधाइ।
बिन साबण पाँणीं बिना, निरमल करै सुभाइ॥

पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुवा, पंडित भया न कोइ।
एकै अषिर पीव का, पढ़ै सु पंडित होइ॥

I. निंदक क्या करता है?

i. हमारी निंदा करता है

ii. हमारा स्वभाव निर्मल करता है

iii. हमारी प्रशंसा करता है

iv. हमें विद्वान बनाता है

II. पंडित कौन नहीं होता है?

i. प्रेम को जानने वाला

ii. प्रेम करने वाला

iii. पोथी पढ़ने वाला

iv. जो पंडित हो

III. संसार में सुखी कौन नहीं है?

i. जो सारी चिंताओं से मुक्त हो

ii. जो भक्ति करता हो

iii. जो पोथी पढ़ता हो

iv. कबीर

IV. निंदक का क्या अर्थ होता है?

i. निंदा करने वाला

ii. पागल

iii. प्रशंसा करने वाला

iv. ईश्वर

8. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

मेरे भाई साहब मुझसे पाँच साल बड़े, लेकिन केवल तीन दरजे आगे। उन्होंने भी उसी उम्र में पढ़ना शुरू किया था, मैंने शुरू किया लेकिन तालीम जैसे महत्त्व के मामले में वह जल्दबाजी से काम लेना पसंद न करते थे। इस भवन की बुनियाद खूब मज़बूत डालना चाहते थे, जिस पर आलीशान महल बन सके। एक साल का काम दो साल में करते थे। कभी-कभी तीन साल भी लग जाते थे। बुनियाद ही पुख्ता न हो, तो मकान कैसे पायेदार बने। मैं छोटा था, वह बड़े थे। मेरी उम्र नौ साल की थी, वह चौदह साल के थे। उन्हें मेरी तम्बीह और निगरानी का पूरा और जन्मसिद्ध अधिकार था और मेरी शालीनता इसी में थी कि उनके हुक्म को कानून समझूँ।

I. बड़े भाई साहब एक साल का काम दो साल में क्यों करते थे?

i. उन्हे अपनी बुनियाद को मजबूत करना था

ii. वे फेल हो जाते थे

iii. वे छोटे भाई पर हुकूम चलते थे

iv. वे पाँच साल बड़े थे

II. छोटे भाई की उम्र कितनी थी ?

i. चौदह साल

ii. सात साल

iii. नौ साल

iv. पाँच साल

III. छोटे भाई की शालीनता किसमें थी?

i. बड़े भाई की हर आज्ञा मानने में

ii. पढाई करने में

iii. हरदम किताब खोलकर बैठने

iv. नकल करने में

IV. बड़े भाई कितने दर्जे आगे थे?

i. आगे नहीं थे

ii. दो

iii. एक भी नहीं

iv. तीन

V. बड़े भाई के लिए तालिम का महत्व क्या था?

i. एक ही क्लास में बार बार रहना

ii. छोटे भाई से आगे निकालना

iii. जल्दबाजी से काम नहीं लेना

iv. पहेली बुझाना

9. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।**

उसे ज्ञात ही न हो सका कि कोई अजनबी युवक उसे नि:शब्द ताके जा रहा है। एकाएक एक ऊँची लहर उठी और उसे भिगो गई। वह हड़बड़ाहट में गाना भूल गई। इसके पहले कि वह सामान्य हो पाती, उसने अपने कानों में गूंजती गंभीर आकर्षक आवाज़ सुनी। "तुमने एकाएक इतना मधुर गाना अधूरा क्यों छोड़ दिया?" तताँरा ने विनम्रतापूर्वक कहा। अपने सामने एक सुंदर युवक को देखकर वह विस्मित हुई। उसके भीतर किसी कोमल भावना का संचार हुआ। किंतु अपने को संयतकर उसने बेरुखी के साथ जवाब दिया। "पहले बताओ! तुम कौन हो, इस तरह मुझे घूरने और इस असंगत प्रश्न का कारण? अपने गाँव के अलावा किसी और गाँव के युवक के प्रश्नों का उत्तर देने को मैं बाध्य नहीं। यह तुम भी जानते हो।" तताँरा मानो सुध-बुध खोए हुए था। जवाब देने के स्थान पर उसने पुनः अपना प्रश्न दोहराया। "तुमने गाना क्यों रोक दिया? गाओ, गीत पूरा करो। सचमुच तुमने बहुत सुरीला कंठ पाया है।" "यह तो मेरे प्रश्न का उत्तर न हुआ?" युवती ने कहा। "सच बताओ तुम कौन हो? लपाती गाँव में तुम्हें कभी देखा नहीं।"

I. वामीरो किस गाँव की थी?

i. पासा

ii. लिटिल अंदमान

iii. लपाती

iv. निकोबार द्वीप

II. तताँरा को देखकर वामीरो को कैसा महसूस हुआ?

i. मन में मधुर और कोमल भाव

ii. विस्मय

iii. गलती

iv. आकर्षण

III. तताँरा ने अपना सुध-बुध क्यों खो दिया था?

i. मधुर गाना सुनकर

ii. वामीरो को देखकर

iii. सम्मोहन के कारण

iv. विचलित होकर

IV. वामीरो का गाना क्यों रुक गया?

i. आकर्षित होकर

ii. लय बिगड़ने से

iii. तताँरा को देखकर

iv. समुद्र की लहर के कारण

V. वामीरो ने तताँरा को बेरुखी से क्यों जवाब दिया?

i. दूसरे गाँव का होने के कारण

ii. आकर्षण होने के कारण

iii. प्रश्न पूछने के कारण

iv. घूरने के कारण

खंड-ब वर्णनात्मक प्रश्न

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए:

i. 'बड़े भाई साहब' पाठ में क्या विचार व्यक्त किए गए हैं? बड़ों और छोटों पर उनका क्या प्रभाव पड़ता है?

ii. तताँरा खूब परिश्रम करने के बाद कहाँ गया? वहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

iii. 'अब कहाँ दूसरे के दु:ख से दु:खी होने वाले' पाठ में निहित उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

11. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए:

मनुष्य और पशु में क्या अंतर है? मनुष्य कहलाने का सच्चा अधिकारी कौन है? 'मनुष्यता' काव्य के आधार पर लिखिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:

i. नई श्रेणी में जाने और नई कॉपियों और पुरानी किताबों से आती विशेष गंध से लेखक का बालमन क्यों उदास हो उठता था? सपने के-से दिन पाठ के आधार पर लिखिए।

ii. एक स्थान पर हरिहर काका ने कहा-"मैं मर जाऊँगा, लेकिन जीते-जी एक धुर ज़मीन भी तुम्हें नहीं लिखूँगा। तुम सब ठाकुरबारी के महंत-पुजारी से तनिक भी कम नहीं।" हरिहर काका के ऐसा कहने के पीछे कौन-सा दर्द था? क्या आप हरिहर काका की इस बात से सहमत हैं?

iii. टोपी ने यह कसम खाते हुए ऐसा क्यों कहा होगा कि वह ऐसे लड़कों से दोस्ती नहीं करेगा, जिनके पिता का तबादला होता रहता है? टोपी शुक्ल पाठ के आधार लिखिए।

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. **मेरे जीवन का लक्ष्य** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- जीवन में लक्ष्य की आवश्यकता
- आपका लक्ष्य क्या है?
- लक्ष्य क्यों हैं?
- बनकर क्या करेंगे?

ii. **शिक्षक-शिक्षार्थी संबंध** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।

- संबंधों की परंपरा
- वर्तमान समय में आया अंतर
- हमारा कर्तव्य

iii. **अनुशासन क्यों?** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।

- अर्थ
- आवश्यकता
- प्रभाव

14. अस्पताल कर्मचारियों के सद्व्यवहार की प्रशंसा करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को लगभग 80-100 शब्दों में पत्र लिखिए।

OR

किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए जिसमें दिल्ली में बढ़ती हुई अपराधवृत्ति की ओर अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराया गया हो।

15. आप राहुल, बाल भारती स्कूल के हैड ब्वाय हैं। आपके विद्यालय ने एक चैरिटी शो आसपास के गरीब लोगों के लिए रखा है। इसके लिए विद्यार्थियों को सहयोग देने हेतु 25-30 शब्दों में सूचना लिखिए।

OR

विद्यालय की सचिव की ओर से **समय-प्रबंधन** विषय पर आयोजित होने वाली कार्यशाला के लिए 40-50 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए।

16. सैल फ़ोन विक्रेता हेतु एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए।

OR

विद्यालय के 'रंगायन' द्वारा प्रस्तुत नाटक के बारे में नाम, पात्र, दिन, समय, टिकट-दर आदि की सूचना देते हुए एक विज्ञापन का आलेख लगभग 25 शब्दों में लिखिए।

17. **कंप्यूटर पर काम करते** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

OR

बाल मजदूरी विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

CBSE Class 10 - Hindi B

Sample Paper 02 (2020-21)

Solution

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. I. (i) जहाँ दो नदियाँ मिलती हैं
   II. (ii) जिसका दूसरी नदियों से सबसे ज्यादा संयोग होता है
   III. (i) गंगा अनेक नदियों और अन्य जलस्रोतों का मिला-जुला रूप है
   IV. (iv) जहाँ एक से अधिक भाषाएँ एकत्रित होती हैं
   V. (ii) जब अनेक भाषाओँ का मेल बंद हो जाता है

OR

   I. (iv) प्रेमाख्यान परम्परा और सूत्रपात
   II. (ii) प्रेम और विवाह के क्षेत्र में आर्य-अनार्य का भेद लुप्त हो रहा था
   III. (iii) महाभारत में
   IV. (iii) अतिममर्यादित
   V. (iv) उनकी नायिकाओं के संरक्षकों से युद्ध होने से
   VI. (ii) अविभाजित

2. i. (i) भारत की अंतरात्मा की
   ii. (ii) जो सुविधाजनक है
   iii. (iii) शोषण से उत्पन्न पीड़ा का शोषण होना
   iv. (iv) जो और भी अधिक सुविधाजनक है
   v. (i) अपनी भूलें स्वीकार करना

OR

   I. (i) कोई काम बड़ा नहीं, कोई काम छोटा नहीं
   II. (iii) मेहनत की कमाई को
   III. (ii) शारीरिक श्रम को
   IV. (i) साधन शुद्धता की
   V. (iii) सत्य और अहिंसा का

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
   i. (d) विशेषण पदबंध

Explanation: यह विशेषण पदबंध है क्योंकि इसमें विशेषण पदों का समूह है।

ii. (a) विशेषण पदबंध

Explanation: संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता जब विशेषण के समूह या बंध द्वारा बताई जाए तो वह विशेषण पदबंध कहलाता है।

iii. (b) सर्वनाम पदबंध

Explanation: इस प्रकार से वाक्य में सर्वनाम पदबंध होता है क्योकि वह सभी पद सर्वनाम की जानकारी दे रहे हैं।

iv. (a) **काम करने वाले** हमेशा सफल होते हैं।

Explanation: काम करने वाले में संज्ञा पदबंध नहीं है।

v. (d) **गरीब और ईमानदार लोग** सभी को अच्छे लगते हैं।

Explanation: यह विशेषण पदबंध नहीं है क्योंकि यह संज्ञा पदबंध के साथ प्रयुक्त हुआ है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (a) चोर घर में घुसे और पुलिस आ गई।

Explanation: यह विकल्प सही है और समुच्चयबोधक का प्रयोग।

ii. (d) लड़का बीमार था इसलिए वह घर चला गया।

Explanation: यह विकल्प सही है।

समुच्चयबोधक- इसलिए का प्रयोग

कार्य- कारण का सबंध।

iii. (d) मुझे अंग्रेज़ी का एक नॉवेल चाहिए।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि 'एक' संख्यावाचक विशेषण संज्ञा शब्द नॉवेल के लिए है और शुद्ध वाक्य के लिए सही पदक्रम होना आवश्यक है- कर्ता, कर्म, क्रिया का प्रयोग है।

iv. (d) जो परिश्रम करते हैं, वे अवश्य सफल होते हैं।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि इस वाक्य में 'जो-वे' व्यधिकरण योजक प्रयोग किया गया है। विशेषण आश्रित उपवाक्य

v. (a) बुद्धिमान व्यक्ति का सब आदर करते हैं।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि इस वाक्य में एक ही उद्देश्य और एक ही विधेय, क्रिया है। उद्देश्य- बुद्धिमान व्यक्ति का, विधेय- सब आदर करते हैं।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (a) द्वंद्व समास

Explanation: द्वंद्व समास - माता और पिता

ii. (d) गुरु के लिए दक्षिणा - तत्पुरुष समास

Explanation: यह विकल्प सही है, चाहे सब विकल्पों में कारकीय चिह्नों का प्रयोग किया गया है पर इस विकल्प में संप्रदान कारक चिह्न 'के लिए' अर्थात देने का भाव है। यहाँ गुरु के लिए दक्षिणा देने का भाव है और भेद तत्पुरुष समास है।

iii. (a) द्विगु समास

Explanation: द्विगु समास

उदाहरण- त्रिकोण = तीन कोनों का समाहार (समूह)

iv. (c) दश आनन हैं जिसके अर्थात रावण - बहुब्रीहि समास

Explanation: दश आनन (मस्तक) हैं जिसके अर्थात रावण - बहुब्रीहि समास

यह विकल्प सही है क्योंकि पहला पद संख्यावाची होने के बावजूद भी यह बहुब्रीहि समास का उदाहरण है क्योंकि 'दशानन' शब्द 'रावण' के लिए रूढ़ हो गया है अर्थात यहाँ न पूर्व पद प्रधान है न उत्तर पद बल्कि अन्य पद प्रधान है।

v. (c) उत्तर पद

Explanation: उत्तर पद

उदाहरण- देश + भक्त = देशभक्त

पूर्वपद + उत्तरपद = समस्तपद

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (d) बहुत गरीब और मजबूर होना

Explanation: बहुत गरीब और मजबूर होना - दो साल की बेरोजगारी के कारण आज रमेश पैसे-पैसे को मोहताज हो गया है।

ii. (a) बहुत क्रोध आना

Explanation: बहुत क्रोध आना - युद्ध के मैदान में कौरवों को देखकर पांडवों के बदन में आग लग गई।

iii. (c) अपना सर्वस्व न्योछावर करना

Explanation: अपना सर्वस्व न्योछावर करना - रमेश ने अपना घर जला कर मित्र की मदद की ।

iv. (a) बहुत खुश होना

Explanation: बहुत खुश होना - परीक्षा में उत्तीर्ण होने की खबर सुन कर सोनू की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

v. (c) दूध की मक्खी

Explanation: दूध की मक्खी - विशेष महत्त्व न देना

7. I. (ii) हमारा स्वभाव निर्मल करता है

II. (iii) पोथी पढ़ने वाला

III. (iv) कबीर

IV. (i) निंदा करने वाला

8. I. (i) उन्हे अपनी बुनियाद को मजबूत करना था

II. (iv) पाँच साल

III. (i) बड़े भाई की हर आज्ञा मानने में

IV. (iv) तीन

V. (iii) जल्दबाजी से काम नहीं लेना

9. I. (iii) लपाती

II. (i) मन में मधुर और कोमल भाव

III. (ii) वामीरो को देखकर

IV. (iv) समुद्र की लहर के कारण

V. (i) दूसरे गाँव का होने के कारण

खंड-ब वर्णनात्मक प्रश्न

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए:

i. प्रस्तुत पाठ में स्पष्ट किया गया है कि बड़ों के पास जीवन के अनुभव अधिक होते हैं, जो हमें सही मार्ग दिखलाते हैं। उनकी शिक्षा या बुद्धि कम होने के बावजूद भी उनके अधिकांश उपदेश एवं सीख छोटों के लिए अत्यंत लाभप्रद होते हैं। प्रस्तुत पाठ बड़ों को इस रूप में प्रभावित करता है। कि हमेशा तार्किक एवं व्यावहारिक बातें ही करनी चाहिए, जबकि छोटों पर यह प्रभाव पड़ता है कि योग्यता अधिक होने के बावजूद बड़ों की बातों की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए |

ii. तताँरा खूब मेहनत करने के बाद समुद्र के किनारे टहलने के लिए गया। वह सूर्यास्त का समय था। सूर्य डूबने ही वाला था। समुंद्र से आने वाली ठंडी हवा बहुत अच्छी लग रही थी। पक्षियों की मधुर आवाज धीरे धीरे सुनाई दे रही थी। सूर्य की अंतिम रंग बिरंगी किरण समुंद्र के पानी में बहुत सुंदर लग रही थी। डूबता हुआ सूर्य ऐसा लग रहा था मानो देखते ही देखते वह क्षितिज के नीचे समा जाएगा। तताँरा ऐसे प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद ले रहा था कि तभी उसे एक मधुर गीत सुनाई दिया। गीत की आवाज अत्यंत मधुर और मोहक थी। ऐसा लग रहा था मानो वह गीत बहता हुआ उसकी ओर ही आ रहा है। उसी गीत के बीच बीच में लहरों का संगीत उसकी मधुरता को और भी बढ़ाने वाला था।

iii. पाठ में निहित उद्देश्य है कि हमें अपने स्वार्थ के लिए प्रकृति के कामों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए | हमें इस धरती पर रह रहे सारे जीवों के प्रति समान भावना रखनी चाहिए | अपने स्वार्थ के लिए वातावरण और प्रकृति के साथ छेड़छाड़ नहीं करनी चाहिए |

11. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए:

सभी जीवधारी उस परमपिता परमेश्वर की संतान हैं, परंतु मनुष्य और पशु में यही अंतर है कि पशु, मात्र अपने स्वार्थ में जीवन-यापन करते हैं। वह बौद्धिक दृष्टि से भी मनुष्य के समान बुद्धिमान नहीं हैं। मनुष्य आत्मकेंद्रित नहीं होता। उसका जीवन केवल अपने निजी स्वार्थों की पूर्ति पर आधारित नहीं होता, अपितु वह संवेदनशील, भावुक व परमार्थ भाव से अपना जीवन जीता है। लोक कल्याण की भावना से जीवन जीना ही उसके जीवन का मुख्य आधार होता है। मनुष्य कहलाने का सच्चा अधिकारी वही व्यक्ति है, जिसके जीवन का हर पल दूसरों की भलाई के लिए समर्पित हो। जो व्यक्ति सदैव दूसरों का कल्याण करे, वही मनुष्य कहलाने का सच्चा अधिकारी है।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:

i. पाठ के अनुसार नई श्रेणी में जाने के लिए बच्चे अत्यधिक उत्साहित होते हैं। वे अगले कक्षा में जाने को व्याकुल होते हैं क्योंकि वहाँ पर उन्हें नई किताबें और कॉपियाँ मिलती हैं । नई किताबें को देखकर बच्चों के मन में पढ़ाई के लिए ताजगी और ऊर्जा बढ़ जाती है।

किन्तु लेखक के परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने के कारण उनको अपने लिए नई पुस्तकों को खरीदना संभव नहीं था। लेखक को नई कक्षा में कॉपियाँ तो नई मिल जाती थी पर किताबें पुरानी ही मिलती थी। इसी कारण से लेखक का बालमन अपनी नई कॉपियों और पुराने किताबों से आती विशेष गंध से उदास हो जाता था।

ii. हरिहर काका को महंत और उसके साथियों द्वारा किए गए अत्याचारों से बहुत दुःख हुआ। इसके बाद जब वे अपने घर आ गए और घर पर उनके परिवार के सदस्यों ने भी उनसे महंत और उसके साथियों जैसा व्यवहार करना शुरू कर दिया, तो उन्हें बहुत दुःख हुआ। उन्होंने सोचा कि महंत तो पराया था, लेकिन ये तो मेरे अपने हैं। ये मुझ पर इतना अत्याचार क्यों कर रहे हैं? यही कारण है कि जब परिवार के सदस्यों ने ज़ोर-ज़बरदस्ती द्वारा उनसे ज़मीन अपने नाम लिखने को कहा, तो उन्होंने कह दिया कि चाहे वे मर क्यों न जाएँ, किंतु अपनी ज़मीन उनके नाम नहीं लिखेंगे। हम हरिहर काका की इस बात से पूरी तरह से सहमत हैं, क्योंकि यदि परिवार के सदस्य भी बाहर के लोगों की तरह व्यवहार करने लगे और ज़ोर-ज़बरदस्ती पर उतर आएँ, तो उनमें और बाहरी व्यक्तियों में क्या अंतर है। हरिहर काका देख चुके थे की जीतेजी अपनी संपत्ति देने वालों की क्या दशा हुई थी वे अनपढ़ जरूर थे पर उन्हें दुनियादारी की समझ थी वे समझ गए थे की उनके परिवार वाले उनकी देखभाल सिर्फ तभी तक करेंगे जबतक उनके पास उनकी ज़मीन थी वरना उनको घर से निकाल देते अगर ज़मीन उनके भाइयों के नाम होती तो

iii. टोपी और इफ्फ़न घनिष्ठ मित्र थे। दोनों एक-दूसरे के बिना बिलकुल अधूरे थे, क्योंकि दोनों एक-दूसरे की भावनाओं को बिना कहे समझ लेते थे। यह दोस्ती बचपन में विकसित हुई थी। टोपी तो अपने अजीज़ दोस्त इफ्फ़न के साथ-साथ उसके परिवार वालों का भी आत्मीय था, विशेष रूप से उसकी दादी का जब वह पूरबी बोली बोलतीं, तो उसे अपनी माँ की भाँति ही दिखाई देतीं। जब टोपी को अकेलापन दूर करने वाले अपने अजीज दोस्त इफ्फ़न के जाने का पता चला, तो वह उदास हो गया। इफ्फ़न के जाने का कारण उसके पिता का मुरादाबाद तबादला होना था। इफ्फ़न की दादी की मृत्यु का घाव अभी भरा भी नहीं था कि टोपी को इफ्फ़न से अलग होने का ज़ख्म भी मिल गया। इसी कारण टोपी ने कसम खाई थी कि अब वह ऐसे लड़के से दोस्ती नहीं करेगा, जिसके पिता का तबादला होता रहता हो।

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. **मेरे जीवन का लक्ष्य**

जीवन में निश्चित सफलता के लिए एक निश्चित लक्ष्य को होना भी अत्यंत आवश्यक है। जिस तरह निश्चित गंतव्य तय किए बिना, चलते रहने का कोई अर्थ नहीं रह जाता, उसी तरह लक्ष्य विहीन जीवन भी निरर्थक होता है।
एक व्यक्ति को अपनी योग्यता एवं रुचि के अनुरूप अपने लक्ष्य का चयन करना चाहिए। जहाँ तक मेरे जीवन के लक्ष्य की बात है, तो मुझे बचपन से ही पढ़ने-लिखने का शौक रहा है, इसलिए मैं एक शिक्षक बनना चाहता हूँ। शिक्षा मनुष्य के व्यक्तित्व का विकास करती है और इस प्रक्रिया में शिक्षक की भूमिका सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण होती है।
मैं शिक्षक बनकर समाज हित में ग्रामीण क्षेत्र में नियुक्ति प्राप्त करना चाहूँगा, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छे एवं समर्पित शिक्षकों का अभाव है। एक आदर्श शिक्षक के रूप में मैं धार्मिक कट्टरता, प्राइवेट ट्यूशन, नशाखोरी आदि से बचाने हेतु सभी छात्रों का उचित मार्गदर्शन करूँगा। मैं सही समय पर विद्यालय जाऊँगा और अपना कार्य पूर्ण ईमानदारी से करूँगा। शिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए सहायक सामग्रियों का भरपूर प्रयोग करूँगा, साथ ही छात्रों को हमेशा अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित करूँगा। छात्रों पर नियंत्रण रखने के लिए शैक्षणिक मनोविज्ञान का अच्छा ज्ञान प्राप्त करूँगा। मुझे आज के समाज की आवश्यकताओं का ज्ञान है, इसलिए मैं इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु छात्रों को उनके नैतिक कर्तव्यों का ज्ञान कराऊँगा। अतः मेरे जीवन का लक्ष्य होगा आदर्श शिक्षक बनकर समाज की सेवा करना तथा देश के विकास में योगदान देना।

ii. संसार में शिक्षक-शिक्षार्थी का संबंध बहुत ही पवित्र माना गया है। शिक्षार्थी ज्ञान के लिए शिक्षक के पास जाता है और शिक्षक उसे ज्ञानी बनाता है। शिक्षक-शिक्षार्थी का संबंध आयु पर नहीं, अपितु ज्ञानवृद्धि पर आधारित होता है। भारत वर्ष में इन संबंधों की प्राचीन और सुदृढ़ परंपरा है। परन्तु आज के युग में शिक्षकों और विद्यार्थियों के आपसी सम्बन्ध बहुत हद तक बदल गए हैं। आज ज्ञान के प्रसार के साधन बहुत बढ़ गए हैं। इससे शिक्षार्थियों का औसत बौद्धिक स्तर भी बढ़ गया है, लेकिन आजकल अधिकतर मेधावी शिक्षार्थी शिक्षक बनना पसंद नहीं करते हैं। आज के भौतिकतावादी समाज में ज्ञान से अधिक धन को महत्व दिया जाने लगा है। अतः आज शिक्षण भी निस्वार्थ नहीं रह कर, एक व्यवसाय बन गया है। शिक्षक और शिक्षार्थी का संबंध भी एक उपभोक्ता और सेवा प्रदाता के समान होता जा रहा है। इससे शिक्षक के प्रति अगाध श्रद्धा और शिक्षक का शिक्षार्थी के प्रति स्नेह और संरक्षक भाव लुप्त होता जा रहा है। शिक्षक और शिक्षार्थी के दोनों रूपों में हमारा कर्तव्य बनता है कि हम ज्ञान के महत्व को समझें और अपने दायित्व का निर्वाह करें।

iii. अनुशासन शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है-अनुशासन। अनु का अर्थ है - पीछे तथा शासन का अर्थ - नियम। आदेश या नियम का अनुसरण करना ही अनुशासन कहलाता है। अनुशासन सफलता की कुंजी है- यह किसी ने सही कहा है कि अनुशासन मनुष्य के विकास के लिए बहुत आवश्यक है क्योंकि इससे एक निश्चित समय में, निश्चित क्रिया करके निर्धारित फल प्राप्त किया जा सकता है। लोकतंत्र में सभी को अभिव्यक्ति का अधिकार है। आज के लोग अपने इस अधिकार का दुरुपयोग अनुशासनहीनता के लिए करते हैं। विद्यार्थी कक्षाओं का बहिष्कार करते हैं तथा आपराधिक व अनैतिक कृत्यों में लिप्त रहकर विद्यालय में अशांति फैलाते हैं। इस प्रकार की अनुशासनहीनता पर नियंत्रण के लिए अनुशासन की आवश्यकता है। यदि समय रहते इस अनुशासनहीनता पर नियंत्रण नहीं किया गया तो विद्यार्थियों का भविष्य अच्छा नहीं होगा। छात्रों की गुटबंदी न हो उसके लिए अध्यापकों द्वारा नियमित अध्ययन कराना चाहिए। थोड़े-थोड़े अंतराल में शिक्षक-अभिभावक सम्मेलनों का आयोजन करना चाहिए। इस प्रकार से नियंत्रण करने पर विद्यार्थियों को अनुशासन में रखा जा सकता है। इस अनुशासन का प्रभाव पूरी सामाजिक व्यवस्था पर पड़ता है। अतः हमें हमेशा सजग रहना चाहिए। इसलिए हमें इसके लिए सतत् प्रयत्नशील रहना चाहिए जिससे हम विद्यार्थियों को सही दिशा दे सकें जो भावी राष्ट्र का सपना है।

14. मकान नं.- p-276
गोविन्द मोहल्ला
गिरीश नगर
दिनांक- 21-08-2020
सेवा में
मुख्य चिकित्सा अधिकारी जी
हरि अस्पताल
अ.ब.स. नगर
विषय- कर्मचारियों के सद्व्यवहार की प्रशंसा हेतु पत्र
महोदय,
मैं अ.ब.स.नगर का निवासी हूँ। विगत कुछ दिनों से मेरा एक प्रियजन आपके अस्पताल में ज्वर रोग से ग्रसित होकर भर्ती था। दवा के प्रभाव और ईश्वर की अनुकंपा से वह आज ही आपके अस्पताल से मुक्त होकर घर पहुँचा है। उससे बात करने पर पता

चला कि आपके अस्पताल में चिकित्सा उपचार और संबंधित सुविधाएं बहुत ही उत्तम दर्जे की है। उसने बताया कि आपके अस्पताल के कर्मचारियों ने उसके साथ अत्यंत आत्मीय व्यवहार किया था। उनके आत्मीय और स्नेहपूर्ण व्यवहार के कारण ही वह जल्दी स्वस्थ हो सका है।

महाशय, हम सभी आपके अस्पताल कर्मचारियों को उनके व्यवहार के कारण हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करते हैं तथा उनके सुनहरे भविष्य की कामना करते हैं। विश्वास है, भविष्य में भी उन सबका व्यवहार ऐसा ही रहेगा।

इसके लिए हम सदैव आपके आभारी रहेंगे।

सधन्यवाद

आपका विश्वासी

गौतम सिंघानिया

OR

परीक्षा भवन,

दिल्ली।

दिनांक 13 मार्च, 2019

सेवा में,

श्रीमान संपादक महोदय,

हिंदुस्तान टाइम्स,

नई दिल्ली।

विषय दिल्ली में बढ़ती हुई अपराधवृत्ति से संबंधित।

महोदय,

मैं आपके प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के माध्यम से दिल्ली सरकार के अधिकारियों का ध्यान दिल्ली में बढ़ती हुई अपराधवृत्ति की ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ। आशा है कि आप मेरे पत्र को अपने लोकप्रिय समाचार-पत्र में प्रकाशित करेंगे। अत्यंत खेद के साथ मुझे लिखना पड़ रहा है कि दिल्ली में | आजकल गुंडागर्दी, बलात्कार, हत्याएँ, लूटपाट, अपहरण जैसी आपराधिक घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं। देश की | राजधानी दिल्ली 'अमन चैन की राजधानी' न रहकर | असामाजिक तत्वों व अपराधियों द्वारा निर्मित 'भय आतंक के वातावरण की राजधानी' बनकर रह गई है। दिन-दहाड़े दुकानदारों से लूट, घरों में चोरी, छोटे बच्चों का अपहरण, लड़कियों से छेड़छाड़ व बलात्कार तो जैसे आम बात हो गई है। सुबह-सुबह समाचार-पत्र देखने पर ऐसा लगता है जैसे दिल्ली में पुलिस का नहीं, बल्कि अपराधियों का नियंत्रण है।

अतः केंद्र सरकार तथा पुलिस के अधिकारियों से मेरा अनुरोध है कि वे इस संबंध में कठोरतम कार्यवाही करें, जिससे अपराधियों | के मन में कानून के प्रति भय उत्पन्न हो और वे अपराध करने से पहले दस बार सोचें। अपराधियों पर नियंत्रण रखा जाना अत्यंत आवश्यक है।

सधन्यवाद।

भवदीय

हर्षित

15.

बाल भारती स्कूल

सूचना

30 मार्च, 2019

चैरिटी शो (गरीब लोगों के लिए)

विद्यालय द्वारा पास के स्लम एरिया के गरीब लोगों के लिए एक चैरिटी शो रखा गया है। यह 02 अप्रैल 2019 को विद्यालय के ऑडिटोरियम में होगा। विद्यार्थियों से निवेदन है कि एक मानवीय और सामाजिक कारण को ध्यान में रखते हुए इस शो को सफल बनाने हेतु अपना योगदान दें।

राहुल

हैड ब्वाय

OR

श्रीगोविन्दम् विद्यालय, गोविन्द नगर

आवश्यक सूचना

तिथि - 22 फरवरी, 2020

विदित हो कि दिनांक 22 फरवरी, 2020 को सुबह 10 बजे विद्यालय के सभागृह में 'समय-प्रबंधन' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में प्रधानाचार्या जी उपस्थित रहेंगी। इसका उद्देश्य समय-प्रबंधन की कला के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक बनाना है। क्योंकि किसी भी क्षेत्र में सफलता हासिल करने के लिए अपने समय की ठीक से व्यवस्था करना आवश्यक है। इसमें 9वीं से लेकर 12वीं कक्षा के सभी विद्यार्थी हिस्सा ले सकेंगे। अतः इस प्रतियोगिता में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए अपना नाम अधोहस्ताक्षरी के पास उक्त तिथि से दो दिन पूर्व तक अवश्य जमा करवा दें।

सधन्यवाद

निवेदक

सचिव (विद्यालय छात्र संघ)

16.

फ़ोन..... फ़ोन..... फ़ोन

ड्यूल सिम फ़ोन सिर्फ़ और सिर्फ़ रू 7,800/-	फ्रंट कैमरा 4 जी बी इंटरनल मेमोरी

जीवो फ़ोन

OR

प्रस्तुत है रंगायन की रंगारंग प्रस्तुति 'आधे अधूरे'

आप सभी सादर आमंत्रित हैं

दिनांक- 15 मार्च, 2019, सांय 5 बजे

पात्र- गोविन्द, गौरव, बुलबुल एवं प्रियंका

टिकरदर प्रतिव्यक्ति - 200, 250, 400/-

*बिना टिकट एंट्री की सुविधा नहीं है।

जल्दी आए और तुरंत प्रवेश पाएँ

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें #981080XXXX

पवन कुमार ('रंगायन' कॉर्डिनेटर)

17. **कंप्यूटर पर काम करते**

कंप्यूटर पर काम करते-करते मेरे मन में ख्याल आया कि काश मैं भी कंप्यूटर होता। लगा जैसे किसी ने जादू की छड़ी घुमा दी हो और मैं बन गया कंप्यूटर। अब तो सब मुझे हाथों-हाथ रखने लगे। सूर्योदय से पहले ही मेरा दिन शुरू हो जाता और देर रात तक मुझ पर काम किया जाता। अब मुझे लगा कि कंप्यूटर बनकर मैंने गलती कर दी। मेरा दिमाग हर पल चलता रहता और की-बोर्ड पर तो लगता जैसे हथौड़े पड़ रहे हों। अब तो मुझे पल भर का भी आराम नसीब नहीं था। थक गया मैं कंप्यूटर बनकर। यह सोचते ही मैं अपने रूप में वापिस आ गया। अब मैंने सुकून की सांस ली।

OR

बाल मजदूरी

एक दिन सुबह-सुबह की बात है, जब मैं स्कूल जा रहा था। मैंने देखा कि एक लगभग हमारी उम्र का ही बच्चा सुबह-सुबह सड़कों पर कचरा उठा रहा था। उसके पास जाकर मैंने उससे पूछा कि तुम ये क्या कर रहे हो, क्या तुम्हें स्कूल नहीं जाना है? उसने कहा कि वो स्कूल नहीं जा सकता, क्योंकि उसके पास उतने पैसे नहीं है जिनसे वो अपनी पढ़ाई कर सके।
फिर मेरे पूछने पर कि क्या तुम्हारा मन नहीं करता है स्कूल जाने को। इस पर उसने कहा कि मन तो बहुत करता है कि मैं भी स्कूल जाकर पढ़ाई करूँ, लेकिन पैसे की कमी और घर की बुरी स्थिति के कारण मैं ऐसा नहीं कर सकता हूँ। घर में कमाने वाला कोई नहीं है, जो घर का खर्च चला सके। मैं पूरी तरह से हैरान था कि ऐसा इस समय में भी हो सकता है।